**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**पशुपालन और डेयरी विभाग**
**लोकसभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या- 2856**
**दिनांक 18 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न**

**पशु कल्याण महोत्सव**

**2856. श्री विजय बघेल:**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या छत्तीसगढ़ राज्य में पशुपालन एवं पशु कल्याण महोत्सव के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम या पहल किए जाने की संभावना है;

(ख) उक्त गतिविधियों में किसानों, डेयरी उत्पादकों और पशु कल्याण संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पशु चिकित्सकों और पशु देखभाल कर्मियों के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण या क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो विशेष रूप से मेरे लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत दुर्ग और बेमेतरा जिलों के संबंध में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री**
**(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)**

(क) छत्तीसगढ़ के पशुधन विकास विभाग के अनुसार, दिनांक 13 मार्च 2025 तक बढ़ाए गए पशुपालन एवं पशु कल्याण उत्सव माह (दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी 2025) के अंतर्गत राज्य ने 960 पशु स्वास्थ्य शिविर, 620 बांझपन निवारण शिविर, पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम, 138 किसान संगोष्ठियाँ, स्कूलों/कॉलेजों में 23 जागरूकता शिविर और 85 किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) शिविर आयोजित किए। इसके अतिरिक्त, 11,180 पशुओं को उपचार किया गया, 11,697 को टीका लगाया गया, 16,476 नि:शुल्क एंटी-रेबीज टीके लगाए गए और 26,455 पशुओं को कृमि मुक्त किया गया। इसके अलावा, 419 कृत्रिम गर्भाधान और 2,048 सामूहिक बधियाकरण किए गए।

छत्तीसगढ़ के जीव-जंतु कल्याण बोर्ड ने किसानों और डेयरी उत्पादकों के लिए ब्लॉक-स्तरीय संगोष्ठियों का आयोजन करने की योजना बनाई है, ताकि उन्हें पशुओं को अत्यधिक गर्मी से बचाने और डेयरी गायों में ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के उपयोग के जोखिमों के बारे में शिक्षित किया जा सके। पशु मालिकों को यह भी सलाह दी गई कि वे अपने पशुओं को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए अपने परिसर में ही बांधकर रखें। इसके अलावा, पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए पालतू पशुओं के दुकान मालिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(ख) राज्य सरकारों, जीव-जंतु कल्याण संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे कार्यशालाएं, वेबिनार, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता गोष्ठियां, पशुधन मेले और जीव-जंतु कल्याण तथा पालन-पोषण पर सर्वोत्तम दूध उत्पादन प्रतियोगिताएं, पशु शो और छात्र प्रतियोगिताएं आयोजित करें। जीव-जंतु कल्याण में लगी गौशालाओं और गैर सरकारी संगठनों के लिए भी विशेष कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

(ग) और (घ) राज्य सरकारों को निर्दिष्ट माह के दौरान आवश्यकतानुसार क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यकलाप आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हालाँकि, वर्तमान वित्तीय वर्ष में निधि की कमी के कारण, छत्तीसगढ़ पशु चिकित्सकों के लिए कोई क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने में असमर्थ रहा।

*****